ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 11-02-2025

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-02-11 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-02-12	2025-02-13	2025-02-14	2025-02-15	2025-02-16
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	25.0	24.0	23.0	24.0	25.0
न्यूनतम तापमान(से.)	5.0	4.0	4.0	5.0	6.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	60	60	60	60	60
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	5	6	5	4
पवन दिशा (डिग्री)	320	320	320	320	320
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	1	1	2

मौसम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (4 से 10 फरवरी) में वर्षा नहीं हुई तथा अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 21.0-26.5 और 4.7-7.5 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पिछले सप्ताह के दौरान अधिकांश दिनों में मौसम साफ रहा। सुबह और शाम की सापेक्ष आर्द्रता क्रमशः 86-97% और 36-54% के बीच रही। हवा की गति ज्यादातर 1.3-8.5 किमी प्रति घंटे के बीच रही, जो मुख्य रूप से पश्चिम, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व, पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम दिशा से बह रही थी। आगामी 5 दिनों के पूर्वानुमान में वर्षा नहीं होने तथा अधिकतम और न्यूनतम तापमान 23.0-25.0 डिग्री सेल्सियस और 4-6 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। हवा की गति उत्तर-पश्चिम से 4-6 किमी प्रति घंटे रहने की उम्मीद है। इस अवधि के दौरान शुष्क मौसम रहने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में एक नियमित अपडेट "मेघदूत ऐप" पर उपलब्ध है और बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए "दामिनी ऐप" भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड यूज़र) और ऐप सेंटर (आईओएस यूज़र) से डाउनलोड किया जा सकता है। एनडीवीआई कंपोजिट क्षेत्र में मध्यम कृषि शक्ति को दर्शाता है। विस्तारित अवधि पूर्वानुमान प्रणाली 7 से 13 फरवरी के दौरान बहुत कम वर्षा तथा सामान्य से कम अधिकतम एवं सामान्य न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाती है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, शुष्क मौसम की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए तथा सभी कृषि कार्यों को तदनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना	फूल आने और फली बनने के समय सिंचाई करनी चाहिए। फली छेदक कीट दिखाई देने पर उचित जैविक और रासायनिक नियंत्रण का प्रयोग करना चाहिए। जैविक नियंत्रण 5% नीम बीज गिरी अर्क या बीटी 1 किग्रा/हेक्टेयर की दर से संभव है। कोलरेंट्रानिलिप्रोल 18.5 एसएल 125 मिली या इमामेक्टिन बेंजोएट 5 एसजी 220 ग्राम को 500-600 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से रासायनिक छिड़काव करें। पहला रासायनिक छिड़काव 50% फूल आने पर और दूसरा और तीसरा छिड़काव 15 दिनों के अंतराल पर करना चाहिए।
मसूर की दाल	फूल आने और फली बनने के समय सिंचाई करनी चाहिए। फली छेदक कीट दिखाई देने पर उचित जैविक और रासायनिक नियंत्रण का प्रयोग करना चाहिए। जैविक नियंत्रण 5% नीम बीज गिरी अर्क या बीटी 1 किग्रा/हेक्टेयर की दर से संभव है। कोलरेंट्रानिलिप्रोल 18.5 एसएल 125 मिली या इमामेक्टिन बेंजोएट 5 एसजी 220 ग्राम को 500-600 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से रासायनिक छिड़काव करें। पहला रासायनिक छिड़काव 50% फूल आने पर और दूसरा और तीसरा छिड़काव 15 दिनों के अंतराल पर करना चाहिए।
रेपसीड	रेपसीड की फसल को पकने पर काटा जाना चाहिए और दाने झाड़ने से पहले उसे अच्छी तरह सुखाया जाना चाहिए। सरसों (राई) में फूल और फली बनने की अवस्था में आवश्यकतानुसार सिंचाई करना उपज हानि से बचने के लिए आवश्यक है। कीटों और बीमारियों के हमले के लिए सरसों की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और नियंत्रण के लिए अनुशंसित तरीकों का पालन किया जाना चाहिए। झुलसा रोग होने पर, 800-1000 लीटर पानी में 2 किग्रा/हेक्टेयर की दर से मैन्कोजेब 75% का नियमित छिड़काव, 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार करना चाहिए जबकि सफेद रतुआ के मामले में, 800-1000 लीटर पानी में 2.5 किग्रा/हेक्टेयर की दर से मेटालेक्सिल 35 डब्लूएस या रिडोमिल एमजेड 72 का नियमित छिड़काव, 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार करना चाहिए। डाउनी मिल्ड्यू के आने पर इसका उपचार मेटालैक्सिल 35 डब्लूएस या रिडोमिल एमजेड 72 का 2 किग्रा/हेक्टेयर की दर से 500 लीटर पानी में मिलाकर किया जा सकता है।
सरसों	रेपसीड की फसल को पकने पर काटा जाना चाहिए और दाने झाड़ने से पहले उसे अच्छी तरह सुखाया जाना चाहिए। सरसों (राई) में फूल और फली बनने की अवस्था में आवश्यकतानुसार सिंचाई करना उपज हानि से बचने के लिए आवश्यक है। कीटों और बीमारियों के हमले के लिए सरसों की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और नियंत्रण के लिए अनुशंसित तरीकों का पालन किया जाना चाहिए। झुलसा रोग होने पर, 800-1000 लीटर पानी में 2 किग्रा/हेक्टेयर की दर से मैन्कोजेब 75% का नियमित छिड़काव, 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार करना चाहिए जबकि सफेद रतुआ के मामले में, 800-1000 लीटर पानी में 2.5 किग्रा/हेक्टेयर की दर से मेटालेक्सिल 35 डब्लूएस या रिडोमिल एमजेड 72 का नियमित छिड़काव, 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार करना चाहिए। डाउनी मिल्ड्यू के आने पर इसका उपचार मेटालैक्सिल 35 डब्लूएस या रिडोमिल एमजेड 72 का 2 किग्रा/हेक्टेयर की दर से 500 लीटर पानी में मिलाकर किया जा सकता है।
गेहूँ	फसल को आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए तथा खरपतवारों के उगने पर नियंत्रण रखना चाहिए। पाउडरी मिल्ड्यू तथा झुलसा जैसी बीमारियों के होने पर नियंत्रण रखना चाहिए। फसल पर बीमारियों तथा कीटों के होने की नियमित निगरानी करनी चाहिए।
जौ	खरपतवार प्रबंधन के लिए उपाय किए जाने चाहिए। फसल की आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए तथा खरपतवार नियंत्रण का अभ्यास करना चाहिए। फसलों पर पाउडरी मिल्ड्यू तथा झुलसा जैसी बीमारियों के लिए निगरानी रखनी चाहिए, जिन्हें तदनुसार नियंत्रित किया जाना चाहिए।
गन्ना	फसल की कटाई 16-18% ब्रिक्स पर की जानी चाहिए तथा शरदकालीन गन्ने में उचित कृषि कार्य अपनाए जाने चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	प्याज के पौधों को आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए तथा नियमित रूप से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए।
सब्जी पीईए	सब्जी मटर फूल बनना मटर की फसल शुष्क और ठंडी रातों के प्रति बहुत संवेदनशील होती है इसलिए आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए और कीटों और बीमारियों की नियमित निगरानी करनी चाहिए। पाउडरी मिल्ड्यू/एफिड के हमले की स्थिति में उचित रासायनिक या यांत्रिक उपाय किए जाने चाहिए।
टमाटर	फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए। रोग फैलाने वाले कीटों के लिए फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और अनुशंसित प्रथाओं के साथ नियंत्रित किया जाना चाहिए। टमाटर में पछेती झुलसा रोग को 2.5 ग्राम / लीटर पानी में मैन्कोज़ेब के छिड़काव से रोका जा सकता है।

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	आलू में पछेती झुलसा रोग को नियंत्रित करने के लिए, मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी के दर से घोल बनाकर छिड़काव किया जाना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए उनके भोजन में तेल और गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को अजवाइन और गुड़ भी खिलाएं। पशुओं को शीतला रोग से बचाने के लिए टीकाकरण करवाएं। पशुओं की अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता के लिए पशु आहार में 10% की वृद्धि करें।
भेंस	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए उनके भोजन में तेल और गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को अजवाइन और गुड़ भी खिलाएं। पशुओं को शीतला रोग से बचाने के लिए टीकाकरण करवाएं। पशुओं की अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता के लिए पशु आहार में 10% की वृद्धि करें।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	उनके भोजन में फफूंद वृद्धि के कारण होने वाले एफ्लाटॉक्सिओसिस के लिए पशु चिकित्सक के अनुसार दवा दी जानी चाहिए।